HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : AUGUST 26, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. उन्नीसवीं सदी के अंत और बीसवीं सदी की शुरुआत के दौरान भारत में उपनिवेशवाद-विरोधी राजनीति की बदलती प्रकृति के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उग्रवादी राष्ट्रवाद (extremist nationalism) का उदय केवल नरमपंथियों द्वारा अपनाए गए संवैधानिक आंदोलन की विफलता का परिणाम था।
2. बंगाल का विभाजन केवल एक क्षेत्रीय पुनर्गठन नहीं था, बल्कि राजनीतिक पद्धतियों और जनभागीदारी के परिवर्तन के लिए एक उत्प्रेरक भी था।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) दोनों

(c) दोनों में से कोई नहीं

(d) उपलब्ध ऐतिहासिक साक्ष्यों से निर्धारण नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही नहीं है:** उग्रवादी राष्ट्रवाद के उदय का श्रेय केवल नरमपंथी पद्धतियों की विफलता को नहीं दिया जा सकता। आर्थिक संकट, सांस्कृतिक पुनरुत्थानवाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव, ब्रिटिश नीतियों के प्रति असंतोष और मुखर नेतृत्व ने भी इसमें योगदान दिया था।
- **कथन 2 सही है:** 1905 में बंगाल के विभाजन ने स्वदेशी, बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा और व्यापक राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देकर भारतीय राष्ट्रवाद को बदल दिया था।

अतः, केवल एक कथन सही है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सी पारिस्थितिक प्रक्रिया प्राथमिक रूप से किसी एकल प्रजाति के दीर्घकालिक प्रभुत्व को रोककर उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिक तंत्र में प्रजातियों की विविधता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है?

(a) प्रतिस्पर्धी अपवर्जन (Competitive exclusion)

(b) संसाधन विभाजन (Resource partitioning)

(c) पारिस्थितिक अनुक्रमण (Ecological succession)

(d) जैव-आवर्धन (Biomagnification)

उत्तर: (b)

व्याख्या:

संसाधन विभाजन (Resource partitioning) विभिन्न प्रजातियों को विभिन्न पारिस्थितिक निकेत (niches), खाद्य स्रोतों या आवासों का उपयोग करने की अनुमति देता है। यह प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा को कम करता है और सह-अस्तित्व को सक्षम बनाता है, जिससे उच्च जैव विविधता बनी रहती है।

प्रतिस्पर्धी अपवर्जन विविधता को कम करता है, पारिस्थितिक अनुक्रमण समय के साथ सामुदायिक परिवर्तनों को संदर्भित करता है, और जैव-आवर्धन का संबंध प्रदूषकों के संचय से है।

प्रश्न 3. आर्थिक विकास और संरचनात्मक परिवर्तन (structural transformation) के बीच संबंध के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी में वृद्धि का अनिवार्य रूप से यह अर्थ है कि उसी क्षेत्र में रोजगार में भी आनुपातिक वृद्धि होगी।
2. संरचनात्मक परिवर्तन तब भी हो सकता है जब कृषि कार्यबल अपेक्षाकृत बड़ा बना रहे।
3. किसी एक क्षेत्र में उत्पादकता में वृद्धि अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में संसाधनों के स्थानांतरण को प्रेरित कर सकती है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** सेवा क्षेत्र आनुपातिक रोजगार पैदा किए बिना सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में एक बड़ा हिस्सा योगदान दे सकता है, जिससे रोजगारहीन विकास (jobless growth) की स्थिति पैदा होती है।
- **कथन 2 सही है:** कई विकासशील अर्थव्यवस्थाएं एक बड़ा कृषि कार्यबल बनाए रखने के बावजूद संरचनात्मक परिवर्तन का अनुभव करती हैं।
- **कथन 3 सही है:** एक क्षेत्र में उत्पादकता वृद्धि मजदूरी, मांग और निवेश पैटर्न को बदल देती है, जिससे संसाधनों का स्थानांतरण होता है।

इसलिए, दो कथन सही हैं।

प्रश्न 4. संवैधानिक शासन और संस्थागत जवाबदेही के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधानवाद (Constitutionalism) के लिए अनिवार्य रूप से एक लिखित संविधान का होना आवश्यक है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

2. भारत में शक्तियों का पृथक्करण (Separation of powers) पूर्ण विभाजन के बजाय कार्यात्मक ओवरलैप (functional overlap) की प्रणाली के माध्यम से संचालित होता है।
3. न्यायिक समीक्षा (Judicial review) संवैधानिक सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए संस्थागत तंत्रों में से एक है।
4. भारत में संसदीय संप्रभुता उसी तरह अप्रतिबंधित है जैसे यूनाइटेड किंगडम (UK) में है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संविधानवाद एक अलिखित संविधान के साथ भी मौजूद हो सकता है, जैसा कि यूनाइटेड किंगडम में देखा गया है।
- **कथन 2 सही है:** भारत अंगों के बीच कार्यात्मक ओवरलैप के साथ नियंत्रण और संतुलन (checks and balances) की प्रणाली का पालन करता है।
- **कथन 3 सही है:** न्यायिक समीक्षा अदालतों को संवैधानिक वैधता के लिए विधायी और कार्यकारी कार्यों की जांच करने में सक्षम बनाती है।
- **कथन 4 गलत है:** भारत में संसद संविधान और बुनियादी ढांचे (Basic Structure) के सिद्धांत द्वारा सीमित है।

इस प्रकार, केवल दो कथन सही हैं।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

प्रश्न 5. अभिकथन (A): पर्वतीय क्षेत्रों से निकलने वाली नदी प्रणालियाँ अक्सर हिमनदों (glaciers) द्वारा पोषित होने के बावजूद प्रवाह (discharge) में महत्वपूर्ण मौसमी भिन्नता प्रदर्शित करती हैं।

कारण (R1): हिमनद से पोषित नदियों को बर्फ पिघलने और मानसूनी वर्षा से अतिरिक्त पानी मिलता है, जिससे प्रवाह में भिन्नता पैदा होती है।

कारण (R2): नदियों का प्रवाह विशेष रूप से उनके जल निकासी बेसिन में विवर्तनिक गतिविधि (tectonic activity) पर निर्भर करता है।

(a) R1 और R2 दोनों सही हैं, और दोनों A की व्याख्या करते हैं।

(b) R1 सही है लेकिन R2 सही नहीं है।

(c) R1 सही नहीं है लेकिन R2 सही है।

(d) न तो R1 और न ही R2 सही है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- पर्वतीय क्षेत्रों से निकलने वाली बारहमासी नदियाँ भी बर्फ पिघलने, वर्षा और मानसूनी इनपुट में भिन्नता के कारण मौसमी उतार-चढ़ाव प्रदर्शित करती हैं, इसलिए अभिकथन (A) सही है।
- **कारण R1 सही है** क्योंकि हिमनद पिघलने और मौसमी वर्षा दोनों मिलकर नदी के प्रवाह को प्रभावित करते हैं।
- **कारण R2 गलत है।** विवर्तनिक गतिविधि नदी के मार्गों और ढालों को प्रभावित कर सकती है, लेकिन नदी का प्रवाह विशेष रूप से विवर्तनिक गतिविधि पर निर्भर न होकर मुख्य रूप से वर्षा, बर्फ पिघलने, जलग्रहण (catchment) की विशेषताओं और जलवायु परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

इसलिए, R1 सही है, जबकि R2 गलत है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. हाल ही में शुरू किए गए 'ऑयलसीड्स किसान मित्र' (Oilseeds Kisaan Mitra) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक परिचित सोशल मीडिया इंटरफ़ेस के माध्यम से विशेष रूप से तिलहन किसानों के लिए विकसित भारत का पहला देशव्यापी एआई-सक्षम (AI-enabled) सलाहकार मंच है।
2. इस पहल का उद्देश्य वास्तविक समय (रियल-टाइम) में बहुभाषी फसल सलाह के माध्यम से उत्पादकता में सुधार करके खाद्य तेल आयात पर भारत की निर्भरता को कम करना है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) दोनों
(c) दोनों में से कोई नहीं
(d) दी गई जानकारी से निर्धारण नहीं किया जा सकता

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** ऑयलसीड्स किसान मित्र एक एआई-सक्षम सलाहकार प्रणाली है जो तिलहन किसानों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए व्हाट्सएप (WhatsApp) के माध्यम से काम करती है।
- **कथन 2 भी सही है:** इसका एक प्रमुख उद्देश्य घरेलू तिलहन उत्पादकता में सुधार और वैज्ञानिक सलाह के प्रसार के माध्यम से खाद्य तेल आयात निर्भरता को कम करना है।

यह प्रश्न इसलिए कठिन हो जाता है क्योंकि यह मंच केवल एक डिजिटल विस्तार सेवा नहीं है; इसे एक आयात-प्रतिस्थापन (import-substitution) और उत्पादकता-बढ़ाने वाले उपकरण के रूप में कल्पित किया गया है।

प्रश्न 2. पेरिस समझौते के तहत दुनिया के पहले कार्बन क्रेडिट का हालिया जारी होना किससे संबंधित था?

(a) ब्राजील में अनुच्छेद 6.2 के तहत वनीकरण (Afforestation) परियोजनाएं
(b) म्यांमार में अनुच्छेद 6.4 के तहत एक स्वच्छ-रसोई (clean-cooking) परियोजना
(c) इंडोनेशिया में क्योटो प्रोटोकॉल के तहत मीथेन न्यूनीकरण परियोजनाएं
(d) केन्या में स्वच्छ विकास तंत्र (Clean Development Mechanism) के तहत नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं
उत्तर: (b)
व्याख्या:
पेरिस समझौते के ढांचे के तहत जारी किए गए पहले क्रेडिट को अनुच्छेद 6.4 तंत्र के तहत मंजूरी दी गई थी और यह म्यांमार में एक स्वच्छ-रसोई परियोजना से जुड़े थे। ये क्रेडिट नए संयुक्त राष्ट्र-प्रबंधित (UN-supervised) कार्बन बाजार तंत्र के संचालन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रश्न 3. भारतीय उपमहाद्वीप में पाए जाने वाले राजहंसों (फ्लेमिंगो) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. फ्लेमिंगो अपना विशिष्ट गुलाबी रंग मुख्य रूप से अपने आहार से प्राप्त कैरोटीनॉयड पिगमेंट (carotenoid pigments) से पाते हैं।
2. खारे पानी और मडफ्लैट (कीचड़दार तट) पारिस्थितिक तंत्र की गिरावट सीधे तौर पर फ्लेमिंगो के प्रजनन और भोजन के मैदानों को प्रभावित करती है।
3. फ्लेमिंगो को पारिस्थितिक संकेतक (ecological indicators) माना जाता है क्योंकि उनकी आबादी की गतिशीलता अक्सर आर्द्रभूमि (wetland) के स्वास्थ्य में बदलाव को दर्शाती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं
उत्तर: (c)
व्याख्या:
- **कथन 1 सही है:** उनका गुलाबी रंग कैरोटीनॉयड-समृद्ध शैवाल और क्रस्टेशियंस (crustaceans) खाने से आता है।
- **कथन 2 सही है:** फ्लेमिंगो खारे पानी की आर्द्रभूमि, लैगून, मडफ्लैट्स और उथले पानी के पारिस्थितिक तंत्र पर निर्भर करते हैं।
- **कथन 3 सही है:** चूंकि फ्लेमिंगो निवास स्थान के बदलावों, प्रदूषण, लवणता (salinity) की विविधताओं और भोजन की उपलब्धता के प्रति त्वरित प्रतिक्रिया देते हैं, इसलिए वे आर्द्रभूमि स्वास्थ्य सूचकांक के रूप में कार्य करते हैं।

यूपीएससी का जाल यहां केवल आनुवंशिकी के बजाय आहार से रंग को जोड़ने और फ्लेमिंगो को केवल प्रवासी पक्षी मानने के बजाय पारिस्थितिक संकेतक के रूप में समझने में भ्रम पैदा करने में निहित है।

प्रश्न 4. सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (AFSPA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. अफस्पा (AFSPA) को केवल तभी लागू किया जा सकता है जब कोई राज्य विधानमंडल किसी क्षेत्र को अशांत घोषित करने का प्रस्ताव पारित करता है।
2. "अशांत क्षेत्र" (disturbed area) की अभिव्यक्ति को केंद्र सरकार या किसी राज्य के राज्यपाल द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।
3. अफस्पा के तहत प्रदान की जाने वाली उन्मुक्ति (immunity) पूर्ण है और इसमें न्यायिक जांच शामिल नहीं है।
4. अफस्पा वर्तमान में अशांत अधिसूचित सभी क्षेत्रों में विस्तारित है, चाहे वे पूर्वोत्तर में हों या जम्मू और कश्मीर में।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) सभी चार

उत्तर: (b)
व्याख्या:
- **कथन 1 गलत है:** राज्य विधानमंडल के प्रस्ताव की आवश्यकता नहीं होती है।
- **कथन 2 सही है:** राज्यपाल या केंद्र सरकार किसी क्षेत्र को अशांत घोषित कर सकती है।
- **कथन 3 गलत है:** हालांकि अभियोजन (prosecution) के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होती है, लेकिन न्यायिक समीक्षा (judicial review) का विकल्प हमेशा उपलब्ध रहता है।
- **कथन 4 सही है:** अफस्पा उन सभी जगहों पर काम करता है जहां अशांत क्षेत्र की अधिसूचनाएं लागू हैं; इसका अनुप्रयोग संवैधानिक रूप से किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

इस प्रकार, केवल कथन 2 और 4 सही हैं।
विश्लेषणात्मक पहलू वैधानिक संरक्षण (statutory protection) को पूर्ण उन्मुक्ति (absolute immunity) से अलग करने में निहित है।

प्रश्न 5. कीर्थाई-II जलविद्युत परियोजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह परियोजना जम्मू और कश्मीर में चिनाब नदी पर प्रस्तावित है।
2. इसे रन-ऑफ-रिवर (नदी के बहाव पर आधारित) जलविद्युत परियोजना के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
3. यह परियोजना सिंधु बेसिन के भीतर व्यापक जलविद्युत विकास रणनीति का हिस्सा है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं
उत्तर: (c)
व्याख्या:
- कीर्थाई-II परियोजना जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ क्षेत्र में चिनाब नदी पर प्रस्तावित है।
- यह सीमित भंडारण विशेषताओं वाली एक रन-ऑफ-रिवर परियोजना है।
- यह परियोजना रणनीतिक महत्व रखती है क्योंकि चिनाब सिंधु बेसिन का हिस्सा है और इसकी सहायक नदियों पर जलविद्युत विकास ने नया नीतिगत ध्यान आकर्षित किया है।

यहाँ कठिनाई इसलिए आती है क्योंकि उम्मीदवार अक्सर कीर्थाई-II को चिनाब बेसिन की अन्य परियोजनाओं जैसे पाकल डुल या रतले के साथ भ्रमित कर देते हैं।

SIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

प्रश्न 6. पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 तंत्र के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. अनुच्छेद 6.2 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थानांतरित शमन परिणामों (internationally transferred mitigation outcomes) से जुड़े सहकारी दृष्टिकोणों का प्रावधान करता है।
2. अनुच्छेद 6.4 एक केंद्रीय रूप से पर्यवेक्षित अंतर्राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिटिंग तंत्र स्थापित करता है।
3. अनुच्छेद 6.4 के तहत जारी कार्बन क्रेडिट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित जलवायु लक्ष्यों (NDCs) को प्राप्त करने में योगदान दे सकते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) सभी तीन
(d) कोई नहीं
उत्तर: (c)
व्याख्या:
- **कथन 1 सही है:** अनुच्छेद 6.2 देशों के बीच द्विपक्षीय या बहुपक्षीय सहयोग की अनुमति देता है।
- **कथन 2 सही है:** अनुच्छेद 6.4 संयुक्त राष्ट्र-पर्यवेक्षित तंत्र स्थापित करता है।
- **कथन 3 सही है:** ऐसे क्रेडिट देशों को उनकी एनडीसी (NDC) प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सहायता कर सकते हैं।

यह प्रश्न विश्लेषणात्मक है क्योंकि उम्मीदवार अक्सर अनुच्छेद 6.2 और अनुच्छेद 6.4 के तंत्रों के बीच भ्रमित हो जाते हैं।

प्रश्न 7. यूरोप के रूपरेखा मानचित्र पर, स्लोवाकिया को निम्नलिखित में से किस स्थान द्वारा सही ढंग से पहचाना गया है?
(a) ऑस्ट्रिया और यूक्रेन के बीच स्थित भूमिबद्ध (landlocked) देश, जो हंगरी के उत्तर में और पोलैंड के दक्षिण में है।
(b) रोमानिया और बुल्गारिया के बीच स्थित देश जिसकी काला सागर (Black Sea) तक सीधी पहुंच है।
(c) लातविया और पोलैंड के बीच स्थित बाल्टिक देश।
(d) स्विट्जरलैंड और इटली के बीच स्थित आल्प्स (Alpine) देश।
उत्तर: (a)
व्याख्या:
स्लोवाकिया एक भूमिबद्ध (चारों तरफ से जमीन से घिरा) मध्य यूरोपीय देश है जो निम्नलिखित सीमाओं से घिरा है:

- उत्तर-पश्चिम में चेक गणराज्य,
- दक्षिण-पश्चिम में ऑस्ट्रिया,
- दक्षिण में हंगरी,
- पूर्व में यूक्रेन,
- उत्तर में पोलैंड।

डेन्यूब नदी इसकी दक्षिणी सीमा का हिस्सा बनाती है।
यह प्रश्न सीधे तथ्यात्मक याद रखने के बजाय मानचित्र अभिविन्यास (map orientation) और पड़ोसी देशों का परीक्षण करता है।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. "मुगल भारत की कृषि संरचना राज्य, जमींदारों और किसानों के बीच एक जटिल संबंध का प्रतिनिधित्व करती थी।" इस संबंध की प्रकृति का परीक्षण कीजिए और ग्रामीण समाज पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। (15 अंक)

उत्तर: कृषि अर्थव्यवस्था मुगल भारत की रीढ़ थी। राज्य, जमींदारों और किसानों के बीच का संबंध केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक भी था। मुगल राज्य भू-राजस्व पर बहुत अधिक निर्भर था, जो आय का मुख्य स्रोत था।

संबंधों की प्रकृति

1. राज्य और किसान

- राज्य कृषि उपज के एक हिस्से पर भू-राजस्व के रूप में दावा करता था।

SIXSIGMA IAS
Dream | Care | Deliver

- अकबर के शासनकाल में **ज़ब्त प्रणाली** (Zabt system) के माध्यम से राजस्व निर्धारण को व्यवस्थित किया गया था।
- किसानों के पास भूमि पर खेती करने के पारंपरिक/पारंपरिक अधिकार थे।

2. जमींदारों की भूमिका

- जमींदार मध्यस्थों (intermediaries) के रूप में कार्य करते थे।
- वे राजस्व एकत्र करते थे और स्थानीय व्यवस्था बनाए रखते थे।
- कई जमींदारों के पास सैन्य शक्ति और सामाजिक अधिकार भी होते थे।

3. किसान समाज

- किसान विभिन्न सामाजिक समूहों से जुड़े हुए थे।
- ग्रामीण समुदाय अक्सर सामूहिक रूप से कार्य करते थे।
- जंगलों की कटाई और नई बस्तियां बसाकर कृषि का विस्तार हुआ।

ग्रामीण समाज पर प्रभाव

सकारात्मक प्रभाव

- कृषि योग्य भूमि का विस्तार हुआ।
- बाजार-उन्मुख (व्यावसायिक) कृषि का विकास हुआ।
- सिंचाई के साधनों और ग्रामीण बाजारों का विकास हुआ।

नकारात्मक प्रभाव

- अत्यधिक भारी राजस्व मांगें की गईं।
- किसान ऋणग्रस्तता (indebtedness) का शिकार हुए।
- बार-बार कृषि विद्रोह (agrarian rebellions) देखने को मिले।

इतिहासलेखन का दृष्टिकोण (Historiographical Perspective)

इरफान हबीब जैसे इतिहासकार मुगल कृषि प्रणाली को अत्यधिक शोषक संरचना के रूप में वर्णित करते हैं, जबकि अन्य इतिहासकार स्थानीय संस्थाओं के लचीलेपन पर जोर देते हैं।

निष्कर्ष: मुगल कृषि व्यवस्था राज्य, जमींदारों और किसानों के बीच एक परस्पर निर्भर संबंध का प्रतिनिधित्व करती थी। हालांकि इसने कृषि विस्तार और शाही समृद्धि में योगदान दिया, लेकिन अत्यधिक राजस्व वसूली ने अक्सर ग्रामीण तनाव और प्रतिरोध को जन्म दिया।

(GS–2)

प्रश्न 2. "भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है जो बदलती सामाजिक और राजनीतिक वास्तविकताओं के अनुकूल होने में सक्षम है।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। (15 अंक)

उत्तर: भारत के संविधान को भविष्य के परिवर्तनों के लिए पर्याप्त लचीलापन बनाए रखते हुए स्थिरता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था। डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने इस बात पर जोर दिया था कि कोई भी संविधान स्थिर या जड़ नहीं रह सकता।

यह एक जीवंत दस्तावेज (Living Document) क्यों है?

1. संशोधन प्रक्रिया

अनुच्छेद 368 संविधान में संशोधन करने की अनुमति देता है।

- **उदाहरण:** 42वां संशोधन, 44वां संशोधन, 73वां और 74वां संशोधन, तथा 101वां संशोधन (GST)।

2. न्यायिक व्याख्या (Judicial Interpretation)

सर्वोच्च न्यायालय ने संवैधानिक अर्थों का विस्तार किया है।

- **उदाहरण:** निजता का अधिकार (Right to Privacy), अनुच्छेद 21 के तहत पर्यावरणीय अधिकार, और शिक्षा का अधिकार (Right to Education)।

3. बुनियादी ढांचे का सिद्धांत (Basic Structure Doctrine)

न्यायपालिका लचीलेपन और संवैधानिक पहचान के बीच संतुलन बनाती है। सुरक्षित की गई महत्वपूर्ण विशेषताएं:

- लोकतंत्र, संघवाद, न्यायिक समीक्षा (Judicial review), और पंथनिरपेक्षता (Secularism)।

4. बदलती सामाजिक वास्तविकताएं

- कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण।
- स्थानीय शासन (पंचायती राज) सुधार।
- लैंगिक न्याय (Gender justice) के उपाय।

चुनौतियां

- अत्यधिक संशोधन होना।
- न्यायिक सक्रियता (Judicial activism) पर बहस।
- केंद्र-राज्य तनाव।

महत्व

संविधान ने राजनीतिक संकटों, आर्थिक सुधारों, गठबंधन की राजनीति और तकनीकी परिवर्तनों के बीच खुद को सफलतापूर्वक बचाए रखा है।

निष्कर्ष: संविधान इसलिए गतिशील बना हुआ है क्योंकि संस्थाएं, संसद और अदालतें इसके मौलिक मूल्यों को संरक्षित करते हुए समकालीन आवश्यकताओं के अनुसार इसके प्रावधानों की निरंतर व्याख्या करती हैं और उन्हें अपनाती हैं।

(GS–3)

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

प्रश्न 3. "मानव पूंजी निर्माण आर्थिक विकास का एक साधन और साध्य दोनों है।" भारत की विकास प्रक्रिया में शिक्षा और स्वास्थ्य की भूमिका का परीक्षण कीजिए। (15 अंक)

उत्तर: मानव पूंजी (Human capital) से तात्पर्य व्यक्तियों के पास मौजूद कौशल, शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षमताओं के भंडार से है। मानव पूंजी में निवेश उत्पादकता को बढ़ाता है और आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।

शिक्षा और आर्थिक विकास

1. कौशल निर्माण (Skill Formation)

- श्रम उत्पादकता में सुधार करता है।
- नवाचार (innovation) को प्रोत्साहित करता है।

2. रोजगार सृजन

- अवसरों का विस्तार करता है।
- उद्यमिता (entrepreneurship) को बढ़ावा देता है।

3. तकनीकी उन्नति

- औद्योगिकीकरण का समर्थन करती है।
- डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास को सुगम बनाती है।

मानव पूंजी के रूप में स्वास्थ्य

- स्वस्थ श्रमिक अधिक उत्पादक होते हैं।
- बीमारियों का कम बोझ कार्यकुशलता बढ़ाता है।
- बेहतर स्वास्थ्य जीवन प्रत्याशा (life expectancy) में सुधार करता है।

भारत की चुनौतियाँ

- क्षेत्रीय असमानताएँ।
- सीखने के परिणाम (Learning outcomes) का कमजोर होना।
- कुपोषण (Malnutrition)।
- अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा।

सरकारी पहलें

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)।
- आयुष्मान भारत।
- स्किल इंडिया (Skill India)।
- पीएम पोषण (PM Poshan)।

आर्थिक महत्व

SIXSIGMAIAS
Dream | Dare | Deliver

बेहतर मानव पूंजी वाले देश अनुभव करते हैं:

- उच्च सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि।
- जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic dividend) का बेहतर उपयोग।
- गरीबी में कमी।

निष्कर्ष: मानव पूंजी निर्माण विकास का एक साधन (instrument) और उद्देश्य (objective) दोनों है क्योंकि यह उत्पादकता को बढ़ाता है और साथ ही मानव कल्याण तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है।

(GS–4 Ethics)

प्रश्न 4. "सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी (Integrity) का परीक्षण सामान्य प्रशासन के दौरान नहीं, बल्कि व्यक्तिगत हित और सार्वजनिक कर्तव्य के बीच टकराव वाली स्थितियों के दौरान होता है।" चर्चा कीजिए। (10 अंक)

उत्तर: ईमानदारी/सत्यनिष्ठा (Integrity) का तात्पर्य मूल्यों, सिद्धांतों और कार्यों के बीच निरंतरता से है। लोक प्रशासन में, सत्यनिष्ठा यह सुनिश्चित करती है कि अधिकारी व्यक्तिगत लाभ से ऊपर सार्वजनिक हित को रखें।

सत्यनिष्ठा का परीक्षण करने वाली स्थितियाँ

1. राजनीतिक दबाव

अधिकारियों को अवैध निर्णय लेने के लिए दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

2. भ्रष्टाचार के अवसर

सार्वजनिक संसाधनों तक पहुंच नैतिक दुविधाओं (ethical dilemmas) को जन्म देती है।

3. हितों का टकराव (Conflict of Interest)

व्यक्तिगत संबंध निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं।

4. करियर से जुड़ी चिंताएं

स्थानांतरण (तबादले) या सजा का डर तटस्थता से समझौता करा सकता है।

सत्यनिष्ठा का महत्व

- जनता का विश्वास जगाती है।
- शासन (governance) में सुधार करती है।
- जवाबदेही सुनिश्चित करती है।
- भ्रष्टाचार को रोकती है।

आवश्यक नैतिक मूल्य

- साहस (Courage), वस्तुनिष्ठता (Objectivity), जवाबदेही (Accountability), और पारदर्शिता (Transparency)।

SIX SIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

उदाहरण

एक अधिकारी द्वारा राजनीतिक दबाव के बावजूद किसी अवैध भूमि आवंटन को खारिज करना उसकी सत्यनिष्ठा को प्रदर्शित करता है।

सत्यनिष्ठा को मजबूत करने के उपाय

- आचार संहिता/नैतिकता प्रशिक्षण।
- पारदर्शिता तंत्र।
- व्हिसलब्लोअर (सत्य उजागर करने वाले) संरक्षण।
- मजबूत संस्थाएं।

निष्कर्ष: सत्यनिष्ठा तब प्रकट होती है जब अधिकारी व्यक्तिगत हित के बजाय सार्वजनिक कर्तव्य को चुनते हैं। नैतिक शासन अंततः ऐसे ही सैद्धांतिक आचरण पर निर्भर करता है।

(Current Affairs)

प्रश्न 5. चीन की हुकोउ (Hukou) प्रणाली की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। इसके सामाजिक-आर्थिक निहितार्थों का परीक्षण कीजिए और चीन द्वारा हाल ही में किए गए सुधारों का मूल्यांकन कीजिए। (15 अंक)

उत्तर: हुकोउ प्रणाली चीन का एक घरेलू पंजीकरण तंत्र (household registration mechanism) है जिसे 1958 में शुरू किया गया था। यह नागरिकों को मुख्य रूप से ग्रामीण या शहरी निवासियों के रूप में वर्गीकृत करता है और कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आवास और रोजगार के लाभों तक उनकी पहुंच निर्धारित करता है।

हुकोउ प्रणाली की विशेषताएं

- निवास-आधारित पंजीकरण।
- ग्रामीण और शहरी वर्गीकरण।
- पंजीकरण से जुड़े कल्याणकारी लाभ।
- प्रवासन (migration) लाभों पर प्रतिबंध।

उद्देश्य

- आंतरिक प्रवासन को नियंत्रित करना।
- सामाजिक स्थिरता बनाए रखना।
- नियोजित आर्थिक विकास का समर्थन करना।

सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ

सकारात्मक प्रभाव

- प्रबंधित शहरी विकास हुआ।
- सार्वजनिक संसाधनों का बेहतर आवंटन।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

- प्रशासनिक नियंत्रण।

नकारात्मक प्रभाव

1. ग्रामीण-शहरी असमानता

प्रवासियों के पास अक्सर शहरी सेवाओं तक पहुंच नहीं होती है।

2. सामाजिक अलगाव (Social Exclusion)

प्रवासी परिवारों को शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

3. श्रम बाजार का विभाजन (Labour Market Segmentation)

श्रमिकों को असमान मजदूरी और अवसरों का सामना करना पड़ सकता है।

4. जनसांख्यिकीय चुनौतियाँ

बूढ़ी होती आबादी और घटते कार्यबल ने सुधारों के लिए दबाव पैदा किया है।

हाल के सुधार

चीन ने छोटे शहरों में हुकोउ प्रतिबंधों में ढील दी है और शहरी बसावट को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, बड़े महानगरीय क्षेत्र अभी भी कड़ी शर्तें लागू करते हैं।

भारत के लिए सबक

- संतुलित शहरीकरण आवश्यक है।
- प्रवासी कल्याण प्रणालियों में पोर्टेबिलिटी (सुलभता) की आवश्यकता है।
- समावेशी शहर आर्थिक विकास का समर्थन करते हैं।

निष्कर्ष: हुकोउ प्रणाली ने चीन के आर्थिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया लेकिन ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच असमानताएं भी पैदा कीं। हाल के सुधार एक अधिक लचीले और समावेशी शहरीकरण मॉडल की ओर क्रमिक बदलाव का संकेत देते हैं।

SIXSIGMAIAS
Dream | Dare | Deliver